अखबार वो जो दिखाता है सच — तेजयुग न्यूज़ हिन्दी दैनिक — देश
www.tejyug.com
epaper.tejyug.com

संक्षिप्त समाचार

कोई सोनिया गांधी के साथ एक टेबल पर बैठ ही नहीं सकता-मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा

बरपेटा, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक बार फिर कांग्रेस और खासतौर से गांधी परिवार पर हमला बोला है। उन्होंने कांग्रेस के काम करने की तुलना भारतीय जनता पार्टी से की और कहा कि वहां सारे फैसले एक ही परिवार के डाइनिंग रूम में लिए जाते हैं। सरमा का दावा है कि लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस एक क्षेत्रीय पार्टी बनकर रह जाएगी। बरपेटा जिले में भाजपा कार्यालय के उद्घाटन में सीएम सरमा ने कहा, भाजपा एक लोकतांत्रिक पार्टी है, जिसे कार्यकर्ताओं ने मिलकर बनाया है। लेकिन अगर आप कांग्रेस या अन्य दलों को देखेंगे, तो ये कार्यकर्ताओं ने नहीं बल्कि नेताओं और परिवारों के इर्द गिर्द घूमती रहती हैं। उन्होंने कहा, परिवार के डाइनिंग रूम में फैसले लिए जाते हैं और कार्यकर्ता सिर्फ उसका पालन करते हैं। परिवार की जरूरतों के हिसाब से एजेंडा और पार्टी की विचारधारा बदल जाती है। इस दौरान उन्होंने ओडिशा में हुई भाजपा की बैठक का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि वह यह देखकर हैरान थे कि अरुण जेटली, सुषमा स्वराज और धर्मेंद्र प्रधान जैसे बड़े नेता वहां मौजूद जनता से बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बैठक में मौजूद सभी लोगों के साथ भोजन किया। उन्होंने कहा, हमें बताया गया था कि भाजपा में ऐसे ही काम होता है। कांग्रेस में सोनिया गांधी के साथ एक टेबल पर या राहुल गांधी के बगल की कुर्सी पर बैठना अकल्पनीय है। सरमा ने आरोप लगाए, अगर कांग्रेस के मंच पर सोनिया गांधी के सामने कहें कि गांधी परिवार दूसरे नंबर पर आता है और देश पहले नंबर पर, तो मुझे आशंकाएं हैं कि इसे किस तरह से लिया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मोदी जी ने खुद कहा है कि देश पहले, पार्टी दूसरे और परिवार तीसरे नंबर पर। यह भाजपा के संगठनात्मक आधार को दिखाता है। उन्होंने कहा, अमित शाह जैसे वरिष्ठ नेता किसी फैंसी होटल के बजाए पार्टी कार्यकर्ता के आवास पर भोजन करने में ज्यादा खुश होते हैं।

मराठा कोटे की जंग अब केंद्र तक पहुंची, पाटिल ने उठा दी नई मांग ; क्या करेंगे एकनाथ शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा से 10 फीसदी मराठा आरक्षण को मंजूरी दे दी गई है। इसके बाद भी यह मसला थम नहीं रहा है और आंदोलनकारी मनोज जारांगे पाटिल ने अब केंद्र सरकार से दखल की मांग की है। मनोज पाटिल का कहना है कि सरकार ने अलग से 10 फीसदी कोटा मंजूर किया है, जिसे अदालत में खारिज भी किया जा सकता है। ऐसे में 10 फीसदी आरक्षण को ओबीसी कोटे में ही शामिल करना चाहिए। इसके लिए राज्य में ओबीसी आरक्षण की सीमा 19 से बढ़ाकर 29 फीसदी कर दिया जाए। मनोज जारांगे पाटिल ने कहा, मराठा विधायकों और मंत्रियों को डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को यह समझाना चाहिए कि जब समुदाय को ओबीसी का दर्जा मिल गया है तो फिर उन्हें उसी सूची में शामिल कर लेना चाहिए। पाटिल की यह मांग तब आई है, जब सीएम एकनाथ शिंदे ने उन्हें चेतावनी देते हुए कहा था कि उन्हें हद में रहना चाहिए। इसके बाद उन्होंने अपनी 17 दिनों की भूख हड़ताल को वापस ले लिया था। अब उन्होंने फिर से एक नई मांग रख दी है। बता दें कि मनोज जारांगे पाटिल के लंबे आंदोलन के बाद ही प्रदेश सरकार ने 20 फरवरी को विधानसभा का स्पेशल सेशन बुलाया था और मराठाओं के लिए 10 फीसदी कोटा मंजूर किया था। इसके तहत मराठाओं को सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 10 फीसदी का आरक्षण मिलना है। इस कोटे को पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के बाद मंजूरी दी गई थी। इस रिपोर्ट को पूरे राज्य में सर्वे करने के बाद तैयार किया गया था। बता दें कि फिलहाल राज्य में जातिगत आरक्षण 52 फीसदी है। इसके तहत 13 फीसदी कोट अनुसूचित जाति के लिए है। 7 फीसदी आरक्षण जनजाति को मिलता है और 19 फीसदी कोटा ओबीसी वर्ग के लिए है। 2 फीसदी विशेष पिछड़ों, 3 पर्सेंट विमुक्त जाति और ढाई पर्सेंट मूल जनजाति को मिलता है। इसके अलावा 5.5 फीसदी कोटा कुछ और जनजातियों को मिलता है। इसके अतिरिक्त 10 फीसदी आरक्षण कमजोर आय वर्ग के लिए है। इस तरह राज्य में कुल कोटा 72 फीसदी हो जाता है। इसमें से 62 फीसदी आरक्षण जातिगत तौर पर है।

पीएम मोदी के लिए मुस्लिम लड़की की कठोर तपस्या, 12 ज्योतिर्लिंग पर जल चढ़ाने निकली

नईदिल्ली, एजेंसी। देशभर में आने वाले कुछ दिनों में लोकसभा चुनाव होने को हैं। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों ने इसको लेकर अपनी अपनी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। वहीं, अपने चेहते नेताओं को जितवाने के लिए उनके समर्थक भी अपने स्तर पर कोशिश कर रहे हैं। पीएम मोदी की ऐसी एक प्रशंसक हजारों किलोमीटर के एक मुश्किल सफर पर निकल चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री चुने जाएं, यह प्रार्थना लेकर एक मुस्लिम लड़की 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के लिए निकली है।

साइकल पर बैठकर मुंबई से निकली युवती गुरुवार देर शाम मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में पहुंचीं। उन्होंने मीडिया से चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री की जमकर तारीफें भी कीं। भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा के समय भी उसने मुंबई से अयोध्या तक का पैदल सफर किया था। बड़वानी जिले के सेंधवा के नेशनल हाईवे पर गुरुवार को एक मुस्लिम युवती शबनम शेख अपने एक दोस्त के साथ पहुंची। सिर पर हिजाब और साइकल पर भगवा झंडे लागे शबनम ने बताया कि वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बड़ी फैन हैं। उन्हें बहुत पसंद करती हैं। वह उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते देखना चाहती हैं। वह देशभर के 12 ज्योतिर्लिंगों पर भगवान भोलेनाथ को जल चढ़ाकर प्रार्थना करेंगी। फिलहाल महाराष्ट्र के दो ज्योतिर्लिंग के दर्शन करके अब मध्य प्रदेश में ओंकारेश्वर जा रही हैं। इसके बाद उज्जैन महाकाल जाने का प्लान है। रोजाना 80 से 90 किलोमीटर तक साइकिल पर सफर करके शबनम 7-8 महीनों में यात्रा पूरी करेंगी।

मोदी जी की खासियत में बन सकती है सीरीज

अपनी इस यात्रा के बारे में बताते हुए शबनम शेख ने बताया कि वह एक भारतीय सनातनी मुसलमान लड़की हैं, और वह मुंबई से 12 ज्योतिर्लिंग की यात्रा करने निकली हैं। उनका उद्देश्य महादेव के दर्शन करना है, और साथ ही उनकी मनोकामना है कि आने वाले चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनें, जिसके लिए ही वे महादेव के पास दर्शन करने जा रही हैं। पीएम मोदी की तारीफ करते हुए वह कहती हैं कि उनकी खासियत के बारे में बता की जाए तो पूरी सीरीज ही बन जाएगी।

मुस्लिम भी उनके लिए कर रहे खाने-पीने का इंतजाम

शबनम ने कहा कि यात्रा में हिंदू-मुस्लिम सभी उनका सहयोग कर रेह हैं। शबनम ने कहा, कुछ दिनों पहले ही जब मैं मुंबई से अयोध्या राम जी के दर्शन की यात्रा कर रही थी तब पुलिस-प्रशासन था उसने बहुत अच्छा वर्ताव किया था। चाहे वह महाराष्ट्र पुलिस हो या मध्य प्रदेश या उत्तर प्रदेश। तीनों जगह ही उनकी सरकार है, और उन्होंने मेरा सपोर्ट किया है, इसलिए मैं चाहती हूं कि वे दोबारा सरकार में आएं और प्रधानमंत्री बनें। यात्रा के दौरान हिंदू-मुस्लिम सभी मिल रहे हैं, और सभी साथ दे रहे हैं। कई मुस्लिम भी स्वागत कर खाने-पानी का इंतजाम कर देत हैं। हिफाजत के साथ जाने का कह कर विदा करते हैं।

घर में गा रहे थे मंगल गीत, शादी के चंद घंटों बाद ही दूल्हे की मौत

बदायूं, एजेंसी। बदायूं के बिसौली में सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सात फेरे लेकर घर लौट रहे दूल्हे की बाइक अनियंत्रित होकर आलू लदी ट्रैक्टर ट्रॉली से टकरा गई। भयावह हादसे में दूल्हे के शरीर के दो टुकड़े हो गए जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, बाइक पर पीछे बैठी दूल्हे की मां भी घायल हो गई। हादसा बिसौली में बुधवार पुलिस चौकी के समीप हुआ। इस्लामनगर थाना क्षेत्र के चांदपुर निठाया निवासी जितेंद्र (25) की शादी गुरुवार को बिसौली के मदनलाल इंटर कॉलेज में हुए सामूहिक विवाह कार्यक्रम में हुई जितेंद्र ने जलालपुर गांव की युवती के साथ सात फेरे लिए थे। शादी होने के बाद जितेंद्र अनारदेई को बाइक से लेकर घर जा रहा था। वहीं, दुल्हन भी दूसरी बाइक से अपने घर के लिए जा रही थी। इसी दौरान बिसौली में इस्लामनगर- कुठौली मार्ग पर जितेंद्र की बाइक अनियंत्रित हो गई और वहां से गुजर रहे आलू लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराई। इससे जितेंद्र भी बाइक समेत ट्रैक्टर-ट्रॉली के हिच वाले हिस्से में फंस गया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि युवक की मां अनारदेई घायल हो गई।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में परिणय सूत्र बंधन में बंधे मृतक जितेंद्र की पत्नी प्रियंका तीन माह बाद आषाढ़ माह में गौने की विदा के बाद ससुराल जाती। पति के हादसे में मौत के बाद उसकी सारी खुशियां और सुनहरे स्वप्न मातम में बदल गए।

राजभर और आरएलडी को मिल सकती है योगी कैबिनेट में जगह, एक-दो दिनों में यूपी मंत्रिमंडल विस्तार

लखनउ, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 का ऐलान इस महीने कभी भी हो सकता है। ऐसे में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले यूपी की योगी कैबिनेट का विस्तार होने की चर्चा तेज है। कहा जा रहा है कि यूपी में अगले दो-तीन दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। इस मंत्रिमंडल विस्तार में समीकरणों को साधने के साथ ही सहयोगी दलों के विधायकों की जगह दी जा सकती है। चर्चा है ओमप्रकाश राजभर भाजपा नेता धारा सिंह चौहान सहित रालोद के विधायकों को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। इसके अलावा बीजेपी के एक दो चेहरे भी मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं। यूपी मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर काफी दिनों से चर्चा है। लंबे समय से इंतजार भी चल रहा है। मंत्री बनने को लेकर ओमप्रकाश राजभर तो कई बार समय और डेट का ऐलान भी कर चुके हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले होने वाला यह मंत्रिमंडल विस्तार छोटा होगा। इसमें बागियों और सहयोगी दलों से किए गए वादों को पूरा किया जाएगा।

मंत्रिमंडल विस्तार से बीजेपी नाराजगी खत्म करना चाहती है। बीते दिन ओमप्रकाश राजभर मंत्रिमंडल विस्तार और मंत्री बनने में देरी पर नाराजगी जता दी थी। उन्होंने इशारों में बीजेपी को अल्टीमेटम भी दिया था। ओमप्रकाश राजभर ने कहा था कि राज पाट नहीं मिलने तक होली नहीं मनाऊंगा। इससे पहले भी ओमप्रकाश राजभर ने कहा थी कि जो बोलता है सीना ठोक कर बोलता है जिस दिन मंत्रिमंडल विस्तार होगा उस दिन मंत्री बनूंगा। मंत्री जब तक बन नहीं जाएंगे तब तक अधिसूचना जारी नहीं होने देंगे।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार कभी भी गिर सकती है: जयराम ठाकुर

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में संकट टला नहीं है। ऐसे संकेत प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ही देती नजर आ रही हैं। वहीं, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता का दावा है कि कांग्रेस सरकार कभी भी गिर सकती है। फिलहाल, खबरें हैं कि हिमाचल प्रदेश विधानसभा स्पीकर की तरफ से अयोग्य घोषित किए गए 6 विधायक सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

भाजपा नेता ठाकुर ने पूर्व सीएम वीरभद्र सिंह पत्नी और प्रदेश कांग्रेस प्रमुख प्रतिभा सिंह को जलालत के दौर से बाहर आने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, जब सोनिया गांधी नहीं सुन रहे थे, जब राहुल गांधी नहीं सुन रहे थे, जब प्रियंका गांधी नहीं सुन रहे थे। आखिरकार हमने सुन लिया और स्वभाविक रूप से उनकी पीड़ा एक नहीं कई दिनों से थी। उन्होंने विधानसभा के कई सदस्यों के नाराज होने का भी दावा किया।

उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों को इन लोगों ने डरा के रखा है, दबा कर रखा है, लेकिन ये दौर लंबा नहीं चलेगा। उन्होंने कहा, प्रतिभा सिंह जी, यह जलालत का दौर आपके साथ इतने दिनों से चल रहा है। कई सालों से चल रहा है, तो आपको इससे बाहर आना चाहिए। आप हिम्मत करिए। उन्होंने सिंह का साथ देने पर कहा कि इसपर विचार किया जाएगा। एक चैनल से बातचीत के दौरान कांग्रेस सरकार के भविष्य को लेकर उन्होंने कहा, ये (सरकार) न पहले सेफ थी, न आज है और कल तो होगी ही नहीं। उन्होंने कहा, कभी गिर जाएगी, आप रात को सो जाएंगे और सुबह देखेंगे कि सरकार गिर जाएगी।

क्या है मामला

हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में जीत को लेकर भरोसेमंद नजर आ रही कांग्रेस को झटका लग गया और राज्य में विपक्ष भाजपा के उम्मीदवार हर्ष महाजन को सांसद चुन लिया गया। इस चुनाव में कांग्रेस के 6 विधायकों के तीन निर्दलीय विधायकों के साथ मिलकर क्रॉस वोट करने की खबर है। इसके बाद से ही राज्य सरकार पर संकट मंडराने लगा था।

प्रतिभा सिंह बोलीं-अभी नहीं टला है संकट

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिंह का कहना है कि भले ही पार्टी ने अभी राज्य में अपनी सरकार बचाने में सफलता हासिल कर ली हो, लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि संकट टल गया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि कल या आने वाले भविष्य में क्या होगा...। कुछ मुद्दे थे, जिनपर कुछ घंटों या एक दिन में फैसला नहीं लिया जा सकता। इसमें समय लगेगा। उन्होंने आगे कहा, और तब ही हम यह कहने की स्थिति में होंगे कि सरकार चलती रहेगी।

राजस्थान में चाइल्ड केयर लीव पर लगी रोक, शिक्षक संगठनों ने खोला मोर्चा

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में शिक्षामंत्री मदन दिलावर के खिलाफ शिक्षक संगठनों ने मोर्चा खोल दिया है। दरअसल, शिक्षक संगठन महिला शिक्षिकाओं और अन्य कार्मिकों के चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगाने से नाराज है। परीक्षाओं का सीजन होने के कारण सरकारी स्कूलों में कार्यरत महिला शिक्षिकाओं और अन्य कार्मिकों के चाइल्ड केयर लीव (सीसीएल) पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगा दी गई है। हालांकि, शिक्षा निदेशालय की ओर से ऐसा कोई आदेश नहीं हुआ है, लेकिन जिलों में सीबीईईओ ने ऐसे आदेश जारी कर दिए हैं। शिक्षा विभाग की परीक्षाएं अप्रेल तक जारी रहेंगी। शिक्षकों के विरोध पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि ऐसे कोई आदेश तो नहीं आए हैं, लेकिन परीक्षाओं के समय विवशता है कि हम छुट्टी नहीं दे सकते।

शिक्षक संगठन बता रहे हैं गलत आदेश

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के प्रदेश महामंत्री विपिन प्रकाश शर्मा ने कहा है कि कई महिला कार्मिकों ने सीसीएल या पीएल अवकाश ले रखे हैं। उनके अवकाश को निरस्त कर ड्यूटी ज्वाइन करने आदेश गलत है। शिक्षा विभाग राज्य सरकार के आदेशों का उल्लंघन कर रहा है। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रवक्ता नारायण सिंह सिसोदिया ने कहा है कि जब से सरकार बनी है, मंत्री व अधिकारी शिक्षकों को प्रताड़ित कर रहे हैं। छुट्टियां रद्द करके उनके अधिकारों का हनन किया जा रहा है।

महिला शिक्षकों के सामने यह समस्या

बताया जा रहा है कि हाल ही शिक्षा विभाग की आयोजित वीसी में शिक्षा सचिव की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि अगर कोई शिक्षिका और अन्य महिला कार्मिक ने पूर्व में सीसीएल स्वीकृत करवा रखी है, तो सीसीएल निरस्त कर स्कूल बुलाया जाए। कई महिला कार्मिकों का कहना है कि उनके बच्चों की उम्र अगले सत्र तक 18 वर्ष पार हो जाएगी। ऐसे में उन्हें सीसीएल का लाभ नहीं मिल पाएगा। जबकि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा है कि बच्चों को पढ़ाने के लिए 120 दिन ही मिलते हैं।

कई कारणों से कक्षाएं नहीं लग पातीं। हमने सीसीएल लीव स्थगित नहीं की है, ऐसे आदेश भी नहीं आए हैं, लेकिन ऐसे समय पर अवकाश मांगे जाते हैं जब परीक्षाएं चलती हैं, तो देखना पड़ता है। हमें परीक्षा से पहले अतिरिक्त कक्षाएं भी लगानी होनी हैं। हमें अधिक शिक्षक चाहिए।

बागियों से फिर मिले विक्रमादित्य, दिल्ली जाने का भी प्लान

शिमला, एजेंसी। शिमला में कांग्रेस पर्यवेक्षकों के सबकुछ ठीक कह देने से पार्टी और सरकार की मुश्किलें खत्म नहीं हुई हैं। घोषणा के कुछ ही घंटे बाद एक बार फिर कुछ ऐसे संकेत दिख रहे हैं जिनसे कांग्रेस की चिंता बढ़ सकती है। एक तरफ जहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने कहा है कि कल क्या होगा यह आज नहीं कह सकते, तो दूसरी तरफ उनके बेटे विक्रमादित्य ने बागियों से मुलाकात की है। विक्रमादित्य ने पंचकूला में बागी विधायकों से मुलाकात की है। सातों नेताओं के एक साथ दिल्ली जाने की भी खबर है। सूत्रों के मुताबिक, विक्रमादित्य सुक्खू से बहुमत साबित करने को कह सकते हैं। हिमाचल प्रदेश में राजनीतिक उथल-पुथल खत्म होती नहीं दिख रही है। कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक डीके शिवकुमार और भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गुरुवार शाम सुक्खू, प्रतिभा सिंह, विक्रमादित्य और विधायकों के साथ मीडिया के सामने आकर संकट के खत्म हो जाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार और पार्टी के बीच समन्वय के लिए 5-6 सदस्यों की एक समिति बनाई जाएगी। हालांकि, इस घोषणा के कुछ घंटे बाद ही ऐसे संकेत मिलने लगे कि मतभेद अभी दूर नहीं हो पाए हैं। प्रतिभा सिंह ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि उन्हें नहीं पता कि कल या भविष्य में क्या होगा। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसे मुद्दे थे जिनका फैसला कुछ घंटों या एक दिन के भीतर नहीं हो सका। उधर, अपने और पिता के अपमान का आरोप लगाकर मीडिया के सामने रो चुके विक्रमादित्य भी समझौते के मूड में नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने पंचूकला जाकर बागी विधायकों से मुलाकात की। विधानसभा अध्यक्ष ने बजट पर मतदान के दौरान सदन में अनुपस्थित रहने पर कांग्रेस के छह बागी विधायकों को अयोग्य घोषित कर दिया है।

नहीं रहे अयोध्या में राम मंदिर के सबूत देने वाले अरुण कुमार, ऐतिहासिक खुदाइयों में दर्ज है नाम

रायपुर, एजेंसी। प्रसिद्ध पुरातत्वविद् पद्मश्री डॉ अरुण कुमार शर्मा का बुधवार देर रात 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर शहर में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। अरुण कुमार शर्मा उस टीम के सबसे सीनियर सदस्य थे, जिसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश पर राम जन्मभूमि अयोध्या स्थल की खुदाई की थी। खुदाई के बाद उन्होंने रिपोर्ट सौंपी थी जिसमें कहा गया था कि मस्जिद बनाने के लिए एक मंदिर को तोड़ा गया था। अरुण कुमार शर्मा को 2017 में भारत के दिवंगत राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया था। 12 नवंबर 1933 को रायपुर जिले के चंदखुरी में जन्मे शर्मा ने 1958 में सागर विश्वविद्यालय से एमएससी (मानव विज्ञान) की पढ़ाई पूरी की थी और एक साल बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) में शामिल हो गए। एएसआई में शामिल होने के बाद, उन्होंने पुरातत्व में दो साल का डिप्लोमा किया और उस साल वे ऑल इंडिया टॉपर थे। जिसके लिए उन्हें मौलाना अबुल स्वर्ण पदक मिला था। 33 वर्षों की सेवा के बाद, वह 1992 में एएसआई नागपुर के अधीक्षक पुरातत्वविद् के पद से सेवानिवृत्त हुए। 1994 से वह छत्तीसगढ़ सरकार के पुरातत्व सलाहकार रहे।

अरुण शर्मा के बेटे मनीष शर्मा ने बताया कि बृहस्पतिवार तड़के राज्य की राजधानी रायपुर स्थित अपने आवास पर उनके पिता ने अंतिम सांस ली। वह 91 वर्ष के थे। राज्य के प्रसिद्ध पुरातत्वविद अरुण कुमार शर्मा ने अयोध्या के विवादित स्थल पर एक हिंदू मंदिर के अस्तित्व के समर्थन में पुरातात्विक साक्ष्य एकत्र किए थे। मनीष शर्मा ने बताया कि उनके पिता द्वारा एकत्र किए गए सबूतों को पहले इलाहाबाद उच्च न्यायालय और फिर उच्चतम न्यायालय ने अयोध्या में विवादित स्थल पर सुनवाई के दौरान स्वीकार किया था। मनीष शर्मा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में सेवा के दौरान अरूण कुमार शर्मा सिरपुर, तरीघाट, सिरकट्टी, आरंग, ताला, मल्हार जैसे कई स्थानों पर खुदाई में शामिल थे। उन्होंने बताया, सेवानिवृत्ति के बाद भी उन्होंने पुरातत्व स्थलों-- सिरपुर (छत्तीसगढ़) और मानसर (महाराष्ट्र) में खुदाई में एएसआई की सहायता की थी। एएसआई में अपनी सेवा के दौरान उन्होंने पूरे भारत में, विशेषकर गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, जम्मू, महाराष्ट्र, लक्षद्वीप, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ में पुरातात्विक स्थलों की खुदाई की और उनके बारे में रिपोर्ट प्रकाशित की। मनीष ने कहा, पुरातत्व पर उनकी 35 किताबें प्रकाशित हुईं। जब बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि अयोध्या मामले की सुनवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में चल रही थी तब अरूण कुमार शर्मा इस मामले के प्रमुख गवाह थे। उन्होंने अदालत की संतुष्टि के लिए यह साबित किया कि वहां भगवान राम का मंदिर था और मस्जिद को मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाया गया था। उन्होंने बताया कि 2016 में बस्तर क्षेत्र के दंतेवाड़ा जिले के ढोलकल पर्वत पर भगवान गणेश की मूर्ति को खंडित करने के एक सप्ताह के भीतर अरूण कुमार शर्मा ने अपनी टीम के साथ मिलकर मूर्ति को फिर से स्थापित किया था।

रूस की तरफ से लड़ रहे 20 भारतीयों के लिए चिंतित सरकार

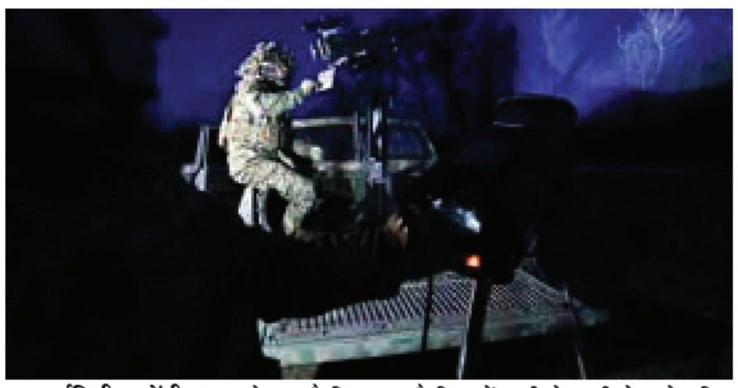

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत ने कहा है कि वह अपने लगभग 20 नागरिकों को वापस लाने की कोशिश कर रहा है, जो रूसी सेना में फंसे हुए हैं ऐसी खबरें आई थीं कि कई भारतीय नागरिकों को रूस ने यूक्रेन में लड़ने के लिए भेजा है.भारत रूस में फंसे अपने करीब 20 नागरिकों को वापस लाने की कोशिश कर रहा है. बताया जाता है कि इन लोगों को यूक्रेन में लड़ने के लिए भेजा गया है. भारत कोशिश कर रहा है कि उन्हें रूसी सेना की सेवा से मुक्ति देकर वापस भेज दिया जाए. दो साल पहले रूस ने यूक्रेन पर हमला किया था और अब तक उसके दसियों हजार सैनिक मारे जा चुके हैं. हालांकि युद्ध थमने के फिलहाल कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं बल्कि हाल के दिनों में रूस ने हमले और तेज कर दिए हैं. समाचार एजेंसी एएफपी ने खबर छापी थी कि यूक्रेन युद्ध में कई भारतीय भी रूस की तरफ से लड़ रहे हैं. इन सैनिकों ने बताया कि उन्हें बढ़िया तन्ख्वाह और रूसी पासपोर्ट का लालच देकर सेना में भर्ती किया गया और फिर उन्हें मोर्चे पर भेज दिया गया. अब भारत सरकार इन लोगों को लेकर चिंतित नजर आ रही है.

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने संवाददाताओं से कहा, हमारी जानकारी में लगभग 20 लोग वहां फंसे हुए हैं. हम पूरी कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें सेवा मुक्ति मिल जाए. इसके लिए हम दिल्ली और मॉस्को दोनों जगह पर रूसी अधिकारियों से संपर्क में हैं सहायक कहकर भर्ती किया पिछले हफ्ते ही विदेश मंत्रालय ने इस बात की पुष्टि की थी कि कई भारतीयों ने बतौर सहायक काम करने के लिए रूसी सेना में नौकरी की. हालांकि तब मंत्रालय ने संख्या नहीं बताई थी लेकिन कहा था कि कई लोगों को पहले ही सेवा मुक्ति दिलाई जा चुकी है. भारत और रूस, दोनों ने ही इस बारे में कुछ नहीं कहा है कि इन लोगों को यूक्रेन में लड़ने के लिए भेजा गया है या नहीं. जायसवाल ने कहा कि मंत्रालय ने लोगों से कहा था कि यद्ध क्षेत्र में ना जाएं.” मीडिया से बात करने वाले सैनिकों ने बताया कि उनसे कहा गया था कि उन्हें लड़ाई में हिस्सा नहीं लेना होगा बल्कि असैन्य काम करने होंगे. लेकिन यूक्रेन भेजे जाने से पहले उन्हें क्लाशनिकोव राइफल और अन्य हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी गई. इन भारतीयों से एक कॉन्ट्रैक्ट पर भी दस्तखत कराए गए थे. रूसी भाषा में लिखा यह कॉन्ट्रैक्ट रशियन फेडरेशन की सेना में सैन्य सेवा” के बारे में है और इसमें सीधी लड़ाई में हिस्सा लेने” व बिना किसी सीमा के रूसी लोगों के लिए काम करने” की शर्तें भी हैं.

कई देशों के लोग विश्लेषक कहते हैं कि भारत से भर्ती किए गए ये लोग रूस के दुनियाभर से सैनिक भर्ती करने के अभियान का हिस्सा भर हैं और अन्य कई देशों के लोगों को रूसी सेना में भर्ती करके यूक्रेन में मोर्चे पर भेजा गया है. इससे पहले बहुत से नेपाली लोगों के रूस जाकर यूक्रेन में लड़ने की भी खबरें आई थीं. दिसंबर में नेपाल ने बताया था कि यूक्रेन में रूस की ओर से लड़ते हुए उसके छह नागरिक मारे गए. उसके करीब एक हफ्ते बाद नेपाल के अखबार काठमांडू पोस्ट ने प्रधानमंत्री पुष्प कमल के हवाले से लिखा कि फरवरी 2022 में यूक्रेन पर हमले की शुरुआत के बाद से 200 से ज्यादा नेपाली नागरिक रूसी सेना में शामिल हुए हैं.

दहल ने यह भी कहा कि नेपाल सरकार के पास जानकारी है कि यूक्रेन की सेना में भी नेपाली काम कर रहे हैं जनवरी में रूसी सरकार ने एक आदेश जारी किया था कि जो भी विदेशी नागरिक रूसी सेना में भर्ती होगा, वह रूस की नागरिकता पाने के योग्य होगा. वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा जारी किए गए इस आदेश के मुताबिक रूस के लिए लड़ने वाला सैनिक और उसका परिवार रूस की नागरिकता का हकदार होगा. एक अनुमान के मुताबिक दो साल में रूस तीन लाख से ज्यादा सैनिक यूक्रेन में खो चुका है और वह ना सिर्फ साज-ओ-सामान बल्कि सैनिकों के लिए भी विदेशों पर निर्भर होता जा रहा है.